

---

Shri Siddhalingashtottarashatamala

श्रीसिद्धलिङ्गाष्टोत्तरशतमाला

Document Information

---

Text title : Shri Siddhalingashtottarashatamala

File name : siddhalingAShTottaraShatamALA.itx

Category : shiva, aShTottaraShatanAmAvalI, nAmAvalI

Location : doc\_shiva

Author : bhasmAngadeva

Proofread by : Vani V.

Latest update : October 31, 2022

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

October 31, 2022

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीसिद्धलिङ्गाष्टोत्तरशतमाला



(श्री भस्माङ्गदेवविरचिता)

हरः ॐ श्रीमदविरळपरञ्ज्योति श्री सिद्धलिङ्गायनमः

ॐ श्रीमन्निरञ्जन जगद्गुरु चरकुलचक्रवर्ति सिद्धलिङ्गायनमः ॥ १ ॥

ॐ श्रीमन्निरञ्जन जगद्गुरु जयदेवानन्द सिद्धलिङ्गायनमः ॥ २ ॥

ॐ श्रीमन्निरञ्जन जगद्गुरु जयविभवानन्द सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ३ ॥

ॐ श्री सर्पभूषण शिवयोगि हृदयानन्द सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ४ ॥

ॐ श्री जटाशङ्कर शिवयोगि पूजातेजोमूर्ति सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ५ ॥

ॐ श्रीमन्निरञ्जनप्रणवस्वरूपि अभिनव अल्लम महादेवप्रिय सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ६ ॥

ॐ श्री त्रिविध दासोहमूर्ति मृत्युञ्जयानन्द सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ७ ॥

ॐ श्री सर्व शिवशरणाश्रय भस्माङ्गि रुद्रमूर्ति सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ८ ॥

ॐ श्री जगद्गुरु रेणुकादि पञ्चाचार्य पवित्रप्रणव सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ९ ॥

ॐ श्रीमदष्टावरण पञ्चाचार षड्वल चक्रवर्ति सिद्धलिङ्गायनमः ॥ १० ॥

ॐ दशविधपादोदक एकादशप्रसादप्रसन्न सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ११ ॥

ॐ एकोत्तरशतस्थलमूर्ति सिद्धलिङ्गायनमः ॥ १२ ॥

ॐ षोडशोत्तर द्विशतस्थलानन्द सिद्धलिङ्गायनमः ॥ १३ ॥

ॐ अप्रतिम अगणित अनन्त तेजोराशि सिद्धलिङ्गायनमः ॥ १४ ॥

ॐ आगमपूजित आश्रितरक्षक सिद्धलिङ्गायनमः ॥ १५ ॥

ॐ इष्टलिङ्गयोगानन्द इष्टप्रदायक सिद्धलिङ्गायनमः ॥ १६ ॥

ॐ ईषणत्रयदूर देवानन्द सिद्धलिङ्गायनमः ॥ १७ ॥


- ॐ उरगाभरण उरगसदनविहारि सिद्धलिङ्गायनमः ॥ १८ ॥
- ॐ ऊरीभक्तजनभाग्य भक्तिदात सिद्धलिङ्गायनमः ॥ १९ ॥
- ॐ ऋषभानन्द ऋषिकुलपूजित सिद्धलिङ्गायनमः ॥ २० ॥
- ॐ ऋक्षाधीशमहेश मङ्गळ महिम सिद्धलिङ्गायनमः ॥ २१ ॥
- ॐ लिङ्गाङ्गसङ्गसमरस सिद्धिदात सिद्धलिङ्गायनमः ॥ २२ ॥
- ॐ लताधीश्वर ललितमनोहर सिद्धलिङ्गायनमः ॥ २३ ॥
- ॐ एडेगाधार एडेयूरु पुराधिप सिद्धलिङ्गायनमः ॥ २४ ॥
- ॐ एकबिल्वपत्रार्पितप्रिय सिद्धलिङ्गायनमः ॥ २५ ॥
- ॐ ऐकमत्यप्रधान इष्टलिङ्गसिद्धान्त सिद्धलिङ्गायनमः ॥ २६ ॥
- ॐ ओङ्कारादि षडक्षर मन्त्रमूर्ति सिद्धलिङ्गायनमः ॥ २७ ॥
- ॐ औदार्य भक्तजनप्रेमि सिद्धलिङ्गायनमः ॥ २८ ॥
- ॐ अन्तःकरुणासिन्धु अनन्त भक्तुतरबन्धु सिद्धलिङ्गायनमः ॥ २९ ॥
- ॐ आहारदात विहारप्रीत सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ३० ॥
- ॐ करदिष्टलिङ्गप्रकाश सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ३१ ॥
- ॐ खण्डाखण्डमण्डल चरकुलचन्द्र सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ३२ ॥
- ॐ गणाध्यक्षरक्ष श्री सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ३३ ॥
- ॐ घनलिङ्गाङ्ग सङ्गसमरस सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ३४ ॥
- ॐ गङ्गाश्रित श्रुति स्मृति पूजित सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ३५ ॥
- ॐ चरकुलाम्बुधिचन्द्र सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ३६ ॥
- ॐ छत्रचामर पूजालङ्कृताभरण सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ३७ ॥
- ॐ जगदादिमूल चरलिङ्गमूर्ति सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ३८ ॥
- ॐ झणतक झन्तक नटन मनोहर सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ३९ ॥
- ॐ ज्ञानविज्ञान सुज्ञानदीप सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ४० ॥
- ॐ टङ्काद्यायुध सुरगणमूर्ति सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ४१ ॥

- ॐ ठाकृति मायाकोलाहल सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ४२ ॥
- ॐ डम्भाचारनिर्मूल सहजाचारशील सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ४३ ॥
- ॐ ढक्का डमरुग ढं ढं नादविनोद सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ४४ ॥
- ॐ णकारात्मक नटनजनप्रिय सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ४५ ॥
- ॐ तत्त्वमसि वाक्यसिद्ध स्वरूप सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ४६ ॥
- ॐ थळ थळालङ्कृत शून्यसिंहासनारूढ सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ४७ ॥
- ॐ दयाशील दीनबन्धु श्री सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ४८ ॥
- ॐ धनकनक वस्तुवाहन आयुरारोग्यदात सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ४९ ॥
- ॐ नम्बिलोलालम्ब चरण सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ५० ॥
- ॐ परमपावन चरणपरिपूर्ण सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ५१ ॥
- ॐ फणिराज सेवाचरण सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ५२ ॥
- ॐ बसवादिप्रमथतत्त्वप्रचारपुङ्गव सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ५३ ॥
- ॐ भसिताङ्ग भवभयनाश भस्मानन्द सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ५४ ॥
- ॐ महादेवानन्द महदेश्वरमूर्ति सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ५५ ॥
- ॐ यतिजन निर्मलहृदयनिवास सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ५६ ॥
- ॐ रमारमणपूजित पद्मपाद सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ५७ ॥
- ॐ ललितबिल्वपत्र पुष्पालङ्कृत पूजाप्रीत सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ५८ ॥
- ॐ वरवीरशैव तत्त्व चिन्तामणि सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ५९ ॥
- ॐ शम्भुलिङ्ग शाश्वत शान्ति सिद्धपद सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ६० ॥
- ॐ षडक्षर मन्त्रोपदेश सिद्धिदात सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ६१ ॥
- ॐ सर्वभक्त, संसारनिर्वाह शक्तिदात सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ६२ ॥
- ॐ हरहर महादेवपद सिद्धमूर्ति सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ६३ ॥
- ॐ छान्त सुमङ्गल महामहिम सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ६४ ॥
- ॐ क्षम दम सत्यशान्तिप्रदात सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ६५ ॥


- ॐ श्रीगुरुलिङ्गजङ्गम समरसैक्य सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ६६ ॥
- ॐ नादविन्दु कलाकृत सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ६७ ॥
- ॐ नवलिङ्ग मन्त्रानन्द शरण सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ६८ ॥
- ॐ भस्मानन्दानुभव प्राणलिङ्गि सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ६९ ॥
- ॐ रुद्राक्षावधानप्रसादि सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ७० ॥
- ॐ दशविध पादतीर्थ प्राणनिष्ठा महेश सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ७१ ॥
- ॐ एकादशप्रसाद प्रसन्न श्रद्धाभक्त सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ७२ ॥
- ॐ चतुर्दल आधारचक्र नकारप्रणव क्रियाचारयुक्त सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ७३ ॥
- ॐ षड्दल स्वाधिष्ठान मकार मन्त्र सदाचारसन्निहित सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ७४ ॥
- ॐ दशदल मणिपूरक शिकारप्रणव शिवाचारसम्पन्न सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ७५ ॥
- ॐ द्वादशदल अनाहत वकारमन्त्र भृत्याचारप्राण सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ७६ ॥
- ॐ षोडशदल विशुद्धि यकारमन्त्र गणाचारगम्य सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ७७ ॥
- ॐ द्विदल आज्ञाचक्र ओङ्कारमन्त्र धर्माचार्य सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ७८ ॥
- ॐ सहस्रदल ब्रह्मचक्र अकारमन्त्र निष्कलाचार्य सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ७९ ॥
- ॐ त्रिदल शिखाचक्र उकारमन्त्र निश्चय्याचार्य सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ८० ॥
- ॐ एकदल पश्चिमचक्र मकारमन्त्र निरन्जनाचार्य सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ८१ ॥
- ॐ आगणितदल अणुचक्र बसवप्रणव सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ८२ ॥
- ॐ सुचित्तहस्त घ्राणमुख सुगन्धग्राहि सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ८३ ॥
- ॐ सुबुद्धिहस्त जिह्वामुख सुरस सुगुणि सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ८४ ॥
- ॐ निरहङ्कारहस्त नेत्रमुख सद्रूप सुविहारि सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ८५ ॥
- ॐ सुमन त्वक् मुख सुस्पर्शसुखि सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ८६ ॥
- ॐ सुज्ञान हस्त श्रोत्रमुख सुशब्दानन्द सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ८७ ॥
- ॐ सद्भाव हस्त हृदय सुतृप्ति, समरस सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ८८ ॥
- ॐ निष्कल ब्रह्मरन्ध्र परमानन्द प्रसाद सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ८९ ॥

- ॐ निरामय शिखाचक्र परिपूर्णप्रसाद सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ९० ॥
- ॐ निरवय पश्चिम अविरलानन्द सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ९१ ॥
- ॐ नवलिङ्गाङ्ग समरससुखदात सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ९२ ॥
- ॐ अष्टविधार्चने षोडशोपचार लीलामूर्ति सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ९३ ॥
- ॐ अनुपम अप्रतिमदानि महादानि सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ९४ ॥
- ॐ एकोत्तरशतविरक्तसञ्चारि वीरशैवोद्धारि सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ९५ ॥
- ॐ कग्गेरि पुराधीश कदम्बतटिवास सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ९६ ॥
- ॐ इष्टलिङ्ग परिपूर्णयोगानन्द सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ९७ ॥
- ॐ शिवसिद्धगङ्गा सिद्धगिरिक्षेत्रनिवास सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ९८ ॥
- ॐ सर्व भक्तमहेश गणचयाधार सिद्धलिङ्गायनमः ॥ ९९ ॥
- ॐ सर्वसुख चक्रवर्ति सिद्धलिङ्गायनमः ॥ १०० ॥
- ॐ श्री गुरु लिङ्ग जङ्गमानन्द सिद्धलिङ्गायनमः ॥ १०१ ॥
- ॐ त्रिविधदासोहि परमहंसप्रदीप सिद्धलिङ्गायनमः ॥ १०२ ॥
- ॐ सर्वाश्रय सर्वव्यापि सर्वशक्तियुक्त सिद्धलिङ्गायनमः ॥ १०३ ॥
- ॐ सर्वाधार सर्वभक्तियुक्त सर्वेश सिद्धलिङ्गायनमः ॥ १०४ ॥
- ॐ त्रिवेणि कूडलसङ्गम लिङ्गानन्द सिद्धलिङ्गायनमः ॥ १०५ ॥
- ॐ शिवाद्वैत सच्चिदानन्द चरकुलवर्य सिद्धलिङ्गायनमः ॥ १०६ ॥
- ॐ श्री सिद्धलिङ्गाष्टोत्तर शतमालार्चित भक्तप्रीत सिद्धलिङ्गायनमः ॥ १०७ ॥
- ॐ भक्तजनप्रेमि भस्माङ्गलिङ्ग कृपाङ्गश्री सिद्धलिङ्गायनमः ॥ १०८ ॥
- हरः ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः ।
- इति श्रीभस्माङ्गदेवविरचितं श्रीसिद्धलिङ्गाष्टोत्तरशतमाला समाप्ता ।

Proofread by Vani V.

——  
*Shri Siddhalingashtottarashatamala*

pdf was typeset on October 31, 2022

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

